

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2×4=8) (1×2=2) [10]

1950 में पुणे के संघ परिषद् शिक्षा वर्ग में एक दिन विशेष भोजन में जलेबी बनी थी। परम पूजनीय श्री गुरु जी उस दिन स्वयंसेवकों के मार्गदर्शन हेतु वर्ग में उपस्थित थे। भोजन के समय अधिकारियों की पंक्ति में आठ-नौ, स्वयंसेवकों को भोजन परोसने का दायित्व दिया गया। भोजन-मंत्र से पूर्व उन स्वयंसेवकों ने वितरण शुरू करा दिया, लेकिन उनमें से एक स्वयंसेवक, जिसके पास जलेबी की थाली थी, वितरण न करके चुपचाप बैठा रहा। परमपूज्य गुरु जी का ध्यान उसकी ओर गया। भोजन प्रारम्भ होने से पूर्व गुरु जी उसके पास गए और कहा- “तुम कैसे बैठे हो?”, पंक्ति में वितरण

करो। उस स्वयंसेवक ने संकोचपूर्वक गुरु जी से कहा- “मैं चमार जाति का हूँ, पंक्ति में ऊँची जातियों के स्वयंसेवक भी बैठे हैं, उन्हें मैं कैसे परोस सकता हूँ?”

गुरु जी को उस स्वयंसेवक की बात बहुत बुरी लगी। उन्होंने उसका हाथ पकड़कर जलेबी की थाली थमाई, और सर्वप्रथम अपनी थाली में परोसने को कहा, फिर सब स्वयंसेवकों को देने के लिए कहा। गुरु जी के आत्मीय व्यवहार से उसकी प्रसन्नता का पारावार नहीं रहा। उसने पंक्ति में सभी को जलेबी परोसी।

1. भोजन में जलेबियाँ कब और कहाँ बनी थीं और जलेबी बाँटनेवाला शांत क्यों बैठा था?
2. गुरु जी का ध्यान किसकी ओर गया?
3. गुरु जी को कौन-सी बात बुरी लगी तथा उसकी बात सुनकर उन्होंने क्या किया?
4. गुरु जी ने स्वयंसेवक से क्या कहा?
5. स्वयंसेवक की प्रसन्नता का पारावार कब नहीं रहा?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(1x4 = 4)

1. एक धमाके से चारों ओर चीख-पुकार मच गई। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए)
2. व्यायाम करो। स्वस्थ रहो। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
3. श्यामाचरण की बेटी ने कहा कि वह क्रिकेट की खिलाड़ी बनना चाहती है? (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए)
4. शेर दिखाई दिया सब लोग डर गए (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)

प्र. 3. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं चार रेखांकित पदों का परिचय दीजिए। (1x4=4)

1. तेजस ने भोजन कर लिया है।
2. ताजमहल का सौंदर्य दर्शनीय होता है।
3. जल्दी चलो गाड़ी चलने वाली है।
4. बहुत से लोग वहाँ जमा हो गए थे।

प्र. 4. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए। (1x4=4)

1. शोभा भाग नहीं सकती। (भाववाच्य)
2. बच्चे निबंध लिख रहे हैं। (कर्मवाच्य)
3. आज बच्चों द्वारा जगह-जगह पेड़ लगाए गए। (कर्तृवाच्य)
4. राम ने कहानी लिखी। (कर्मवाच्य)

प्र. 5. निम्नांकित काव्यांशों में प्रयुक्त रस पहचानिए: (1x4=4)

1. घंटा भर आलाप, राग में मारा गोता, धीरे-धीरे खिसक चुके थे सारे श्रोता।
(काका हाथरसी)
2. सोक बिकल सब रोवहिं रानी। रूपु सीलु बलु तेजु बखानी॥
करहिं विलाप अनेक प्रकारा। परिहिं भूमि तल बारहिं बारा॥
(तुलसीदास)
3. 'रति' किस रस का स्थायी भाव है?
4. 'करुण रस' का स्थायी भाव क्या है?

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (3x2=6)

पिता जी के जिस शक्की स्वभाव पर मैं कभी भन्ना-भन्ना जाती थी, आज एकाएक अपने खंडित विश्वासों की व्यथा के नीचे मुझे उनके शक्की स्वभाव

की झलक ही दिखाई देती है..... बहुत 'अपनों' के हाथों विश्वासघात की गहरी व्यथा से उपजा शक। होश सँभालने के बाद से ही जिन पिता जी से किसी-न-किसी बात पर हमेशा मेरी टक्कर ही चलती रही, वे तो न जाने कितने रूपों में मुझमें हैं.... कहीं कुंठाओं के रूप में, कहीं प्रतिक्रिया के रूप में तो कहीं प्रतिच्छाया के रूप में। केवल बाहरी भिन्नता के आधार पर अपनी परंपरा और पीढ़ियों को नकारने वालों को क्या सचमुच इस बात का बिल्कुल अहसास नहीं होता कि उनका आसन्न अतीत किस कदर उनके भीतर जड़ जमाए बैठा रहता है! समय का प्रवाह भले ही हमें दूसरी दिशाओं में बहाकर ले जाए.... स्थितियों का दबाव भले ही हमारा रूप बदल दे, हमें पूरी तरह उससे मुक्त तो नहीं कर सकता।

1. 'मैं' शब्द यहाँ पर किसके लिए आया है? यहाँ पर 'मैं' की टकराहट किसके साथ होती रहती थी?
2. अपनों का विश्वासघात मनुष्य पर क्या प्रभाव डालता है?
3. लेखिका के जीवन पर पिताजी का क्या प्रभाव पड़ा?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए। (2x4=8)

1. फ़ादर बुल्के भारतीय संस्कृति के एक अभिन्न अंग हैं, किस आधार पर ऐसा कहा गया है?
2. भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?
3. नवाब साहब ने गर्व से गुलाबी आँखों से लेखक की ओर क्यों देखा?
4. 'देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है' - इस पंक्ति में देश और लोगों की किन स्थितियों की ओर संकेत किया गया है?
5. बिस्मिल्ला खाँ का बालाजी मंदिर से क्या संबंध था?

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(2×3=6)

यश है न वैभव है, मान है न सरमाया
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-
छाया मत छूना मन, होगा दुख दूना।

1. कवि जीवन में क्या कुछ पाने के लिए दौड़ता फिरा?
2. 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' - का आशय स्पष्ट कीजिए।
3. उपर्युक्त काव्य-पंक्तियों में कवि ने किसे मृगतृष्णा कहा है?

प्र. 9 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

(2×4=8)

1. गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?
2. कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?
3. लक्ष्मण के क्षमा माँगने पर भी परशुराम का क्रोध क्यों नहीं शांत हुआ?
4. 'अट नहीं रही है' कविता में चारों ओर छाई सुंदरता देखकर कवि क्या करना चाहता है?
5. आप अपने जीवन में मुख्य कलाकार की भूमिका निभाना पसंद करेंगे या संगतकार की? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

प्र.10 निम्नलिखित पूरक पुस्तिका के प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। [3×2=6]

1. जितेन नार्गे की गाइड की भूमिका के बारे में विचार करते हुए लिखिए कि एक कुशल गाइड में क्या गुण होते हैं?
2. माँ को बाबूजी के खिलाने का ढंग पसंद क्यों नहीं था?
3. रानी एलिजाबेथ के भारत आगमन से कौन-सी मुसीबत आ खड़ी हुई थी।

खंड - घ

[लेखन]

प्र.11 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए : [10]

- बढ़ती जनसँख्या
- विज्ञापनों का महत्त्व

प्र. 12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. विद्यालय के प्रधानाचार्य को आर्थिक सहायता या छात्रवृत्ति के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

अथवा

2. छोटे भाई को परीक्षा में सफलता पाने पर बधाई पत्र लिखिए।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 25 से 30 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। [5]

1. ठंडी के मौसम में खाये जानेवाले चवनप्राश का विज्ञापन बनाइए।
2. स्थानीय अखबार के लिए विज्ञापन बनाइए।